115

MAHD–04

December – Examination 2020

M.A. (Previous) Examination

HINDI

काव्यशास्त्र व समालोचना

Paper : MAHD-04

Time : 2 Hours] [*Maximum Marks : 80*

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्'—उक्ति के प्रतिपादक आचार्य का नाम लिखिए।

(ii) 'काव्य प्रकाश' ग्रंथ के रचयिता कौन हैं ?

(iii) 'ध्वनि' से क्या आशय है ?

(iv) 'क्रौचे' ने किस वाद का प्रवर्तन किया ?

(v) 'सम्प्रेषण सिद्धान्त' किस विचारक का है ?

(vi) 'अस्तित्ववाद' की प्रमुख मान्यता का उल्लेख कीजिए।

(vii) हिन्दी आलोचना के दो प्रमुख वादों का नामोल्लेख कीजिए।

(viii) 'पाठालोचन' का आशय लिखिए।

खण्ड—ब **4×16=64**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

2. प्रबंध काव्य और मुक्तक काव्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।

3. 'काव्य-हेतु' से क्या तात्पर्य है ? इनका उदाहरण सहित महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

4. 'रीति' के प्रमुख भेदों की विशेषताएँ लिखिए।

5. रस किसे कहते हैं ? रस और साधारणीकरण के पारस्परिक संबंध की विवेचना कीजिए।

6. अरस्तू के 'अनुकरण सिद्धांत' की युक्तियुक्त समीक्षा कीजिए।

7. 'फ्रायड का मनोविश्लेषणवाद' का साहित्य की समीक्षा पर क्या प्रभाव पड़ा ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

8. 'उत्तर-आधुनिकतावाद' का आशय स्पष्ट करते हुए इसकी वर्तमान साहित्य के संदर्भों में विवेचना कीजिए।

9. हिन्दी आलोचना के उद्‌भव और विकास पर संक्षिप्त आलेख लिखिए।